वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 339 | शनिवार 8 अप्रैल 2023 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

छायाकार -संजय जैन 9414349477

# भगवान महावीर स्वामी के विशाल रथयात्रा में उमड़ पड़ा जनसैलाब

## चारों तरफ भगवान महावीर के जयकारो से श्री महावीर जी गुंजायमान

**चन्द्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया**

श्री महावीर जी 7 अप्रेल स्थानीय श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के वार्शिक मेले में भगवान महावीर स्वामी की भव्य विशाल रथयात्रा निकाली गई। रथयात्रा में श्रद्धा का जनसैलाब उमड़ पड़ा। हजारों की संख्या में श्रद्धालु रथयात्रा में शामिल हुए। आस-पास के गांवों सहित देश के कोने कोने से आए हजारों श्रद्धालु प्रभु की रथयात्रा में शामिल हो कर अपना सौभाग्य प्राप्त किया। रथयात्रा में शामिल होने के लिए ग्रामीणजन गुरूवार रात ही श्री महावीर जी एवं मन्दिर परिसर में आ ठहरे। समूहों में ये ग्रामीण जन रातभर चल रहे सांस्कृतिक नृत्य, लोकगीतों पर नृत्य कर प्रभु की रथयात्रा के उस अद्वितीय क्षण का इतंजार कर रहे थे। रथयात्रा शुभारम्भ होने के लगभग दो घंटे पूर्व ही छतों एवं बरामदों में लोगों का जमा होना प्रारम्भ हो गया, मुख्य मन्दिर से महावीर भगवान की प्रतिमा जी का अभिषेक करने के बाद केसरिया वस्त्र पहने, रजत मुकुट लगाये एवं इन्द्रों का रूप धारण किए श्रद्धालुओं ने प्रतिमा जी को मन्दिर से पालकी में विराजमान कर बाहर, पाण्डाल में स्वर्णिम आभा से सुसज्जित विशाल रथ में विराजमान किया। इससे पहले प्रबन्धकारिणी कमेटी द्वारा मूलनायक भगवान महावीर स्वामी की मूर्ति निकालने वाले चर्मकार वंशज के प्रतिनिधि का सम्मान किया, इसके बाद जयकारों के बीच रथयात्रा का शुभारम्भ हुआ। सबसे आगे निशान का घोड़ा उसके बाद बैण्ड था, जो

केसरिया बाना पहनकर स्वर लहरिया बिखेर रहा था, बैण्ड के पीछे 21 केसरिया ध्वज रथयात्रा को विशिष्ट स्वरूप दे रहे थे। वही विभिन्न संस्थाओं के 500 से अधिक सदस्यगण भगवान महावीर स्वामी के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। उसके पीछे धर्मचक्र और फिर जैन मूल संघ आमनाय भट्टारकजी की पालकी को उठाये श्रद्धालु चल रहे थे। पालकी के पीछे विशालकाय ऐरावत हाथी ग्रामीणों का मनमोह रहा था, ऐरावत पर क्षेत्र कमेटी के मन्त्री महेन्द्र कुमार पाटनी के साथ समाजश्रेष्ठी अखिलेश जैन, आदि विराजमान थे। घोड़ो वाले नवीन रथ पर जिनवाणी को लेकर मुन्नालाल परिवार के लक्ष्य, अतिशय, सिद्ध जैन तथा सारथी के रूप मुन्ना लाल, संदीप, अजय, विजय दिल्ली वाले रथ पर सचिन जैन एडवोकेट, आर.के.जैन बिजनौर, युगान्त जैन एसडीएम फरीदाबाद, एवं कमेटी के संयुक्त मंत्री उमरावमल संघी तथा सदस्य पी.के.जैन चंवर ढुला रहे थे। श्री महावीर जी 7 अप्रेल स्थानीय श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी रात्रि में आयोजित सांस्कृतिक मंच पर राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें देश के प्रख्यात कवियों ने भगवान महावीर के कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। अहिंसा, सत्य, त्याग, तपस्या के साथ बेटी बचाओ बेटी पढाओ तथा कन्या भ्रूण हत्या नहीं करने एवं देश भक्ति का संदेश, देश के लिए मर मिटने वाले शहीदों के परिवारो की व्यथा कवियों की कविताओं में झलक रही थी, सर्वप्रथम कवियों द्वारा क्रम से भगवान महावीर स्वामी की मंगल स्तुति मंगलाचरण के माध्यम से की गई, जिसमें गीतकार हिन्दी राजस्थानी मुकुट मणिराज कोटा वैशाली कुल आपकी जय होवे, हास्य व्यंग्यकार पैरोडीकार गीतकार सुदीप भोला जबलपुर ने सब प्यार से बोलो जय जिनेन्द्र मनोहार से बोलो जयजिनेन्द्र, गीत गजल हिन्दी राजस्थानी कवयित्री आयुशी राखेचा जोधपुर ने कहा डूब जाउ ना मै थाम लो हाथ को इस हृदय में बसे बस महावीर है, हास्य व्यंग्यकार दीपक पारीक भीलवाड़ा ने अपने मंगलाचरण के माध्यम से कहा तानपूरे पर बस एक बार प्रभु महावीर का नाम सुना दो सुनाया।

# जैन सोशल ग्रुप मानसरोवर जयपुर की धार्मिक यात्रा रवाना

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** जैन सोशल ग्रुप मानसरोवर जयपुर की धार्मिक यात्रा रवाना। मुकेश जैन कार्यकारिणी सदस्य ने बताया कि गोला कोट यात्रा जोधपुर भोपाल एक्स्प्रेस ट्रेन से दिनाँक 7 अप्रैल को शाम 5.15 बजे दुगार्पुरा रेल्वे स्टेशन से 50 यात्रियों का संघ रवाना हुआ। जैन सोशल ग्रुप मानसरोवर जयपुर के अध्यक्ष विनोद जैन शास्त्री तथा मंत्री सौभाग मल जैन ने बताया कि अशोक नगर पहुंच कर वहाँ से थूबोन, खंडागिरी , कटी घाटी,चंदेरी, गोला कोट, प्रचराइ अतिशय क्षेत्र, अशोक नगर चौरासी, बजरंग गढ़ से गुना होकर जयपुर वापिस पहुँचेगी।

## सख्त जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को लेकर हस्ताक्षर अभियान शुरू

**उदयपुर.शाबाश इंडिया**

देश में सख्त जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को लेकर लेकसिटी में हस्ताक्षर अभियान का आगाज शुक्रवार को हुआ। इस अवसर पर जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि देश में आजादी के बाद से तेजी से बढ़ती जनसंख्या और उस कारण पनपता असंतुलन आज सबसे बड़ी चुनौती व देश के विकास में बड़ा अवरोध है। उन्होंने कहा कि साल 2001 में भारत की आबादी लगभग सौ करोड़ थी जो आज बढ़कर 142 करोड़ पार हो चुकी है। ऐसे में हर साल हजारों लाखों नये बेरोजगार जन्म ले रहे हैं। हर विकास की योजना छोटी पड़ जाती है। एक देश जिसने धर्म के आधार एक विभाजन व कश्मीर जैसी त्रासदी और पलायन झेला हो। वहां बढ़ते हुए जनसांख्यिकी असंतुलन को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राठौड़ ने बताया कि करोड़ों हस्ताक्षर के माध्यम से जनता की मांग शीर्ष नेतृत्व के सामने रखी जाएगी। जनसंख्या समाधान फाउंडेशन की महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष सुनीता पिंकी मांडावत ने इस अभियान में महिलाओं से सहभागिता की अपील करते हुए कहा कि वे स्वयं उदयपुर में चल रहे हस्ताक्षर महाअभियान व जागृति कार्यक्रमों का सीधी मॉनिटरिंग करेंगी। शहर से ही प्रदेश उपाध्यक्ष नरपत सिंह ओसालिया इस अभियान को ग्रामीण क्षेत्र में गाँव गाँव ढाणी पहुंचाएंगे। फाउंडेशन के शहर जिलाध्यक्ष व पूर्व सरपंच सीता राम डांगी व महिला विंग की जिला अध्यक्षा व पार्षद सोनिका जैन इस समस्या को गंभीर मानते हुए उदयपुर शहर में पूरी ताकत के साथ लाखों हस्ताक्षर व युवाओं की टोली के साथ जल्द ही दिल्ली कूच का ऐलान किया। इस दौरान फाउण्डेशन के शहर जिला महामंत्री गजपाल, शहर जिला विधानसभा प्रभारी एवं राजसमन्द पूर्व विधायक बंशीलाल खटीक, भुवाणा मंडल अध्यक्ष की मौजूदगी में कई लोगों और कार्यकर्ताओं ने पत्रक पर हस्ताक्षर कर इस अभियान की शुरूआत की। **फोटो/रिपोर्ट : राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइल:9829050939**

## समाजसेवी अजय खतूरिया को भारत गौरव अवार्ड से नवाजा

**उदयपुर. शाबाश इंडिया।** झीलों और पर्यटन की नगरी के सहज सुलभ समाजसेवी एवम रक्तदाता अजय खतूरिया को सतत उत्कृष्ट कार्य करने के लिए फिनिक्स इंटरनेशनल संस्था की ओर से भारत गौरव अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया। बता दें, पिछले कई वर्षों से खतूरिया अपनी कमाई से बचत कर स्वेच्छा से जरूरतमंदों की हरसंभव सहायता और सहयोग में लगे हुए हैं। इसके अलावा बहुत बार रक्तदान करके तथा औरों को इसके लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने पुनीत कार्य में महती भूमिका निभाई है। इस सम्मान को पाकर एक ओर जहां खतूरिया खुश थे वहीं उनके मित्रों और परिचितों का मानना था कि अजय भाई की सेवा भावना भविष्य में भी ऐसे ही जारी रहेगी। साथ ही उनसे प्रेरणा पाकर समाज के और युवा भी आगे आएंगे, ऐसा विश्वास है। **रिपोर्ट/ फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइलः 9829050939**

## संगम में छाई सितार की स्वर लहरियां

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** संगम मिक्स ऑफ आर्ट एंड कल्चर द्वारा आयोजित पंडित चिरंजी लाल जी तंवर को समर्पित सीरीज हर माह स्वर - प्रवाह परंपरा के अन्तर्गत हाउस सी स्कीम मे छाया हरि हर शरण भट्ट का सितार वादन। आपने कार्यक्रम की शुरूआत राग सरस्वती से की इसमें आपने जोड़ , गमक, झाला बजाया उसके बाद राग पहाड़ी , राग खमाज और अंत में राग भैरवी बजाकर श्रोताओं की तालियां बटोरी आपके वादन में मधुरता, सुकून एवं तैयारी पक्ष साफ झलक रहा था। आपके साथ तबला संगत कर महेन्द्र शंकर डांगी ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए और तालियों से वाह वाही लूटी।

# आचार्य श्री वसुनंदी सागर जी महाराज स्वस्तिक प्लाइवुड बस्सी पर हुआ आगमन

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** आचार्य श्री 108 वसुनंदी सागर जी महाराज का ससंघ 14 पिच्छी के साथ में स्वस्तिक प्लाइवुड प्राइवेट लिमिटेड बस्सी में आगमन हुआ । उसके पश्चात अभिषेक शांतिधारा पूजन आहार चर्या प्रतिक्रमण एवं स्वाध्याय आदि सभी कार्यक्रम सानंद पूर्वक संपन्न हुए ।

# शांतिनाथ मण्डल विधान की पूजा अर्चना कर अनुष्ठान किया

**निवाई. शाबाश इंडिया**

सकल दिगम्बर जैन समाज के श्रद्धालुओं द्वारा श्री दिगम्बर जैन नसियां मंदिर मे आर्यिकारत्न आदिमति माताजी के छट्टे समाधि दिवस पर संगीतमय शांतिनाथ मण्डल विधान आयोजित किया गया । जिसमें विधानाचार्य सुरेश शास्ति एंव पं.सिधराज जैन के मंत्रोच्चार द्वारा सोधर्म इन्द्र पदमचंद राजेंद्र कुमार अशोक कुमार जैन के परिवारजनो को भगवान शांतिनाथ का अभिषेक शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस दौरान गाजेबाजे के साथ शांतिनाथ मण्डल विधान का शुभारंभ किया गया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि विधान के सौधम इंद्र द्वारा मण्डप पर पांच मंगल कलशों की स्थापना की गई।

## वेद ज्ञान

# संसार और संन्यास

संसार के आकर्षण से बंधे रहने के कारण व्यक्ति संसारी माना जाता है। इसके आकर्षण से मुक्त हो जाने वाला ही संन्यासी है। वह रहेगा संसार में ही, किंतु कमलवत। कमल जल में रहकर भी जल से संपृक्त नहीं होता। यही हाल है संन्यासी का। वह जंगलों में जाए या संसार से दूर रहने लगे, किंतु वहां भी वह घर, परिवार, कार्य-व्यापार का ही चिंतन करता रहे तो उसे संन्यासी नहीं माना जाएगा। क्योंकि अब भी उसके मन में तृष्णा बाकी है। संन्यासी का मन यदि पूर्णरूपेण विरक्त हो जाए तो वह वन में रहे अथवा परिवार में, वह सचमुच संन्यासी बन सकेगा। संसार में रहने वाले व्यक्ति के लिए महात्मा गौतम बुद्ध का मानना है कि उसे माया, मोह, वासना और लोभ आदि नकारात्मक प्रवृत्तियां सताती रहेंगी। वह संन्यासी बनने का कितना भी प्रयास करे, लेकिन उसमें कभी सफल नहीं हो सकेगा। महात्मा बुद्ध यह भी कहते हैं कि चार आर्य सत्य हैं। आर्य का अर्थ यहां श्रेष्ठ से है। इन चार आर्य सत्यों का अनुभव हमें संसार में रहकर ही होता है। ये हैं-दुख है, दुख का कारण है, कारण से मुक्त होने का उपाय है और चौथा है कि निदान हो गया तो सुख मिल गया। यह वास्तव में निर्वाण की अवस्था है। पुनर्जन्म से मुक्त हो जाना है। हालांकि निर्वाण या मोक्ष संन्यास नहीं है, लेकिन इस मोक्ष के द्वारा आप समस्त सांसारिक बंधनों से मुक्त तो हो ही जाते हैं। यह संन्यास का सबसे उत्कृष्ट रूप है। हमारा मन इतना चंचल है कि हम कहीं भी भागकर जाएं वह फिर-फिर उसी पदार्थ के चिंतन में लगा रहता है, जिसके चलते हमने संसार का त्याग किया है। अब तक दुनिया में जितने भी सद्गुरु हुए और हैं, सबने इसी मन के जीतने और वश में करने की बात कही है। चाहे वह कृष्ण हों, बुद्ध हों, क्राइस्ट हों, मोहम्मद हों या नानक, कबीर। मनुष्य संसार के सभी व्यक्तियों की संपदा पर अधिकार कर ले, किंतु जब भी हारता है तो अपने मन से हारता है। यही मन हमें संसार से जोड़ता है। यही मन हमें संन्यास से जोड़ता है। यही मन सुख-दुख का अनुभव कराता है। इसीलिए सभी गुरुओं ने मन को वश में करने का उपदेश दिया। इसलिए माना जाता है कि संसार में रहकर भी आप संन्यासी हो सकते हैं, लेकिन शर्त यही है कि फिर कमलवत हो जाएं। मन और इंद्रियों के वश में न रहें।

## संपादकीय

# चालबाज चीन की चालाकियों को जानना होगा...

जब भी किसी वैश्विक मंच पर मौका मिलता या किसी मुद्दे पर द्विपक्षीय बातचीत का सिलसिला चलता है, तो चीन, भारत के प्रति अपनी मैत्री भावना का प्रदर्शन ही करता है। मगर फिर मौका मिलते ही वह अपनी विस्तारवादी नीतियों को आगे बढ़ाने में जुट जाता है। इसी का ताजा उदाहरण है कि भारत वाले हिस्से में अरुणाचल की ग्यारह जगहों के नाम उसने बदल दिए हैं। पिछले पांच सालों में यह तीसरी बार है, जब चीन ने अरुणाचल में गांवों, नदियों, दर्रों आदि के नाम बदल कर अपना नया नाम दे दिया है। इससे पहले 2017 में छह और 2021 में पंद्रह जगहों के नाम बदल दिए थे। उसके ताजा कदम को भी वहां के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है। इस पर भारत के विदेश मंत्रालय ने सख्त एतराज जताया है। मंत्रालय ने कहा है कि नाम बदल देने से हकीकत नहीं बदल जाती। दरअसल, चीन सदा से अरुणाचल को अपना हिस्सा मानता रहा है, इसलिए उसे भारत के नक्शे में दर्शाता ही नहीं।

मगर पिछले पांच-सात सालों में जिस तरह भारत के हिस्से वाले विवादित इलाकों पर उसने न सिर्फ अपना हक तेजी से जताना शुरू किया है, बल्कि इसके लिए दोनों देशों की सेनाएं भी आमने-सामने हो जाती रही हैं, उसे लेकर चिंता गहराना स्वाभाविक है। चार साल पहले गलवान घाटी में दोनों देशों की सेनाएं इसलिए गुत्थमगुत्था हो गई थीं कि चीन ने भारत वाले इलाके में निर्माण गतिविधियां तेज कर दी थी और उसके सैनिक भारतीय इलाके में घुस आए थे। करीब साल भर तक वहां तनाव बना रहा। फिर जब दोनों देशों की सेनाओं ने पीछे हटने का फैसला किया, तब भी चीन ने भारत के हिस्से वाले बड़े भूभाग पर अपनी दावेदारी बनाए रखी थी। कुछ सूत्रों के हवाले से यहां तक दावा किया गया कि चीन ने उन इलाकों में अपने गांव बसा लिए थे। उसके बाद चीन के विदेश मंत्रालय और सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की तरफ से आश्वस्त किया गया कि चीन भारत के भीतर अशांति पैदा नहीं करेगा। मगर फिर भी उसकी हरकतें नहीं रुकीं। करीब ढाई साल पहले उसने अरुणाचल में पंद्रह जगहों के नाम बदल कर मानकीकृत कर दिया था। अब ग्यारह और स्थानों के नाम बदल दिए हैं। हालांकि कोई भी देश किसी जगह का नाम इस तरह अपने नक्शे में नहीं बदल सकता। इसके लिए उसे संयुक्त राष्ट्र में सूचना देनी पड़ती है। फिर उसके प्रतिनिधि उन इलाकों का सर्वेक्षण और दौरा कर उन नामों के बारे में रायशुमारी करते हैं। तब उन जगहों के नाम बदलने की इजाजत दी जाती है। ऐसे में चीन न सिर्फ भारत के खिलाफ, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के विरुद्ध भी मनमानी कर रहा है। छिपी बात नहीं है कि अरुणाचल वाले इलाके में घुसपैठ करके चीन न सिर्फ अपनी सीमा का विस्तार करना चाहता है, बल्कि इस तरह अपनी सेनाओं की तैनाती कर भारत पर लगातार दबाव बनाए रखना चाहता है। अरुणाचल का इलाका उसके लिए सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, इसलिए वह वहां जब-तब घुसपैठ की कोशिश और भारतीय सेना को छकाने का प्रयास करता रहता है।

**-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# ये कैसी खुशी?

अपनी खुशी का जश्न क्या इस हद तक बेलगाम हो सकता है कि इसमें डूब कर किसी दूसरे के घर को दुख और मातम से भर दिया जाए? किसी व्यक्ति या परिवार का अपनी खुशी को उत्सव की तरह प्रदर्शित करना गलत नहीं है, लेकिन इस क्रम में उसे दूसरों की शांति और जिंदगी को बाधित करने का हक नहीं है। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के सिरसपुर इलाके में एक महिला ने पड़ोस में तेज आवाज में बज रहे संगीत को सिर्फ रोकने की बात कही, मगर इसके जवाब में उस पर पिस्तौल से गोली चला कर जानलेवा हमला किया गया। वह मौत से जूझ रही है और इसी वजह से उसके गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत हो गई। इस तरह की यह अकेली घटना नहीं है। आए दिन ऐसी खबरें आती रहती हैं, जिनके मुताबिक किसी मौके पर बेलगाम और तेज आवाज में संगीत बजाने को लेकर अगर किसी ने विरोध जताया तो उसकी आपत्ति पर गौर करने के बजाय उल्टे उस पर हमला कर दिया जाता है। कुछ ही दिन पहले झारखंड में एक धार्मिक शोभायात्रा के दौरान तेज आवाज में संगीत बजाने से पुलिस ने रोका तो जुलूस में शामिल लोगों ने पुलिसकर्मियों पर ही हमला कर दिया। यह समझना मुश्किल है कि कभी पर्व-त्योहार या फिर किसी पारिवारिक समारोह के मौके पर आयोजित समारोह में कुछ लोग बेहिसाब तेज शोर और संगीत को ही खुशी को अभिव्यक्त करने का मुख्य जरिया क्यों मान लेते हैं! अगर कोई ऐसा मानता भी है तो उसे यह सोचना जरूरी क्यों नहीं लगता कि उसकी वजह से आसपास का वातावरण कई स्तर पर बाधित हो सकता है, इससे बाकी लोगों को सह सकने से ज्यादा परेशानी हो सकती है। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट सन 2005 में ही ध्वनि प्रदूषण पर रोक के मामले में अपने एक फैसले में कह चुका है कि जबरदस्ती ऊंची आवाज यानी तेज शोर सुनने को मजबूर करना किसी के मौलिक अधिकार का हनन है। तब अदालत ने यह साफ किया था कि किसी को भी इतना शोर करने का अधिकार नहीं है, जो उसके घर से बाहर जाकर पड़ोसियों और अन्य लोगों के लिए परेशानी पैदा करे। इसके अलावा, स्थानीय प्रशासन की ओर से स्पष्ट निर्देश जारी किए जाते हैं कि किसी भी स्थिति में ऊंची आवाज में संगीत बजाने को लेकर तय समय और सीमा का उल्लंघन गैरकानूनी है। विडंबना यह है कि इस मसले पर कानूनी स्थिति बिल्कुल स्पष्ट होने के बावजूद न लोग इसका खयाल रखते हैं और न ही संबंधित महकमे या पुलिस को सरेआम इसके उल्लंघन के खिलाफ अपनी ओर से सख्त कार्रवाई करना जरूरी लगता है। जो लोग इस तरह के जश्न में डूबे रहते हैं, उन्हें बाकी लोगों की असुविधा से कोई मतलब नहीं होता और जिन लोगों को परेशानी होती है, वे आमतौर पर झगड़े-झंझट, हिंसक प्रतिक्रिया या फिर कानूनी जटिलताओं से बचने के खयाल से आपत्ति नहीं जता पाते हैं। किसी को अपनी खुशी पर जश्न मनाना अच्छा लग सकता है। लेकिन सच यह है कि ऐसे मौकों पर जिस स्तर पर शोर किया जाता है, जो तौर-तरीके अपनाए जाते हैं, उसकी वजह से आसपड़ोस का माहौल ध्वनि प्रदूषण और अशांति से भर जाता है। किसी की जरूरी पढ़ाई बाधित हो जाती है, कोई अगले दिन काम पर जाने के लिए जरूरत भर नींद नहीं ले पाता है तो किसी की सेहत पर बुरा असर पड़ता है।

## भक्ति भाव से मनाया हनुमान जन्मोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया

सीकर रोड स्थित गुनूरा फार्म बालाजी मंदिर में गुरुवार को राम भक्त हनुमानजी का जन्मोत्सव असीम उल्लास और भक्ति भाव के साथ बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बालाजी मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया एवं हनुमान जी का विशेष श्रंगार किया गया। इसके बाद विधि विधान से पूजा अर्चना कर सुंदरकांड व हनुमान चालीसा के पाठ किए गए। सुंदरकांड पाठ से पूरा वातावरण भक्तिमय रहा। इस दौरान पूरा गुनूरा फार्म हाउस जय श्री राम जय हनुमान , केसरी नंदन हनुमान की जय के नारों से गुंजायमान हो उठा। तत्पश्चात हनुमान जी की महाआरती की गई। इस मौके पर प्रसादी का भी आयोजन किया गया,जिसमें अनेक लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर गोपाल कृष्ण गौड़, कौशल्या गौड़, शंकर लाल गौड़, राजकुमार चौधरी, विमला चौधरी, गुंजन गौड़, नूपुर गौड़, राहुल गौड़, सोमा गौड़, तरुण चौधरी, लोकिता चौधरी व अमिताभ आचार्य मौजूद रहे।

## इनर व्हील क्लब कोटा नॉर्थ का चार्टर डे सेलिब्रेशन - सांस्कृतिक कार्यक्रमों का किया गया आयोजन

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया।

**कोटा।** इनर व्हील क्लब कोटा नॉर्थ ने अपने क्लब का स्थापना दिवस बड़े धूमधाम से मनाया। क्लब अध्यक्ष शिखा अग्रवाल ने बताया कि क्लब ने अपने सेवा कार्यों के 31 वर्ष पूर्ण किए इस उपलक्ष्य में संस्थापक अध्यक्ष सहित सभी पूर्व अध्यक्षों का माल्यार्पण कर सम्मान किया एवम उनके कार्यकाल की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बारे में बताया। इस अवसर पर क्लब सदस्यों द्वारा रेट्रो थीम पर 1960 के पूर्व की फिल्म हीरोइंस के किरदार में नृत्य, गीतों की मनोरंजक प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम की बागडोर शशि सक्सेना एवं विजेता गुप्ता ने संभाली। प्रमुख रूप से शशि झंवर, अर्चना माथुर, वंदना सिंघल, सरोज गुप्ता, प्रमिला पारीक, मधु बाहेती, शशि सक्सेना , अंजू गर्ग , डॉक्टर विजेता गुप्ता , नीता सिंह गौड़, सरिता भूटानी, रेणु लालपुरिया , कोशल्या विजय , अनिता शर्मा, विद्या गर्ग, रजनी अरोड़ा एवं अन्य सभी को क्लब अध्यक्ष द्वारा पारितोषिक से सम्मानित किया गया। 73 साल की अर्चना माथुर हो या 50 वर्ष की अन्य मेंबर्स, सबने अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाया। सभी क्लब मेंबर्स ने डांस, मस्ती और लंच एंजॉय करते हुए चार्टर डे सेलिब्रेट किया।

# महावीर पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गया 'स्थापना दिवस'

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

शुक्रवार को महावीर पब्लिक विद्यालय के 27 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विद्यालय का 'स्थापना दिवस' मनाया गया। ज्ञातव्य है कि महावीर पब्लिक विद्यालय की स्थापना 7 अप्रैल 1996 में हुई थी। अतः इस खुशी के अवसर पर मनाए गए कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती व भगवान महावीर स्वामी की वंदना से हुई। विद्यार्थियों ने कत्थक, एरोबिक्स, स्केट्स, योगा आदि के माध्यम से मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। कक्षा 10 के विद्यार्थियों ने विद्यालय के प्रांगण में 'अहिंसा' शब्द के क्रम में खड़े होकर सभी को 'अहिंसा परमो धर्मः'का संदेश दिया।मानद् मंत्री श्री सुनील जी बख्शी व प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने रंग बिरंगे गुब्बारे मुक्त गगन में छोड़कर इस खुशी के क्षणों को प्रकट किया। संस्था के मानद् मंत्री सुनील जी बख्शी एवं विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने सभी को स्थापना दिवस की बधाई दी। मानद् मंत्री सुनील बख्शी ने इस अवसर पर अपने वक्तव्य में कहा कि महावीर पब्लिक स्कूल नामक जो बीज 27 वर्ष पहले बोया गया था, अब वह वटवृक्ष बन गया है, जिसके शिक्षा और संस्कारों रूपी फलों से विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने इस वट वृक्ष को पुष्पित और पल्लवित करने का श्रेय विद्यालय के अध्यापक गणों को दिया और साथ ही यह भी विश्वास दिलाया कि आगे भी यह विद्यालय अपनी उत्तम शिक्षा व संस्कारों की छाया में विद्यार्थियों को शीतलता प्रदान करेगा। इस पावन दिवस के अवसर पर विद्यालय में कार्यरत सभी सदस्यों व विद्यार्थियों को मिठाईयां वितरित की गईं।

# जैन सोशल ग्रुप नार्थ द्वारा भक्तामर पाठ का आयोजन

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

जैन सोशल ग्रुप नार्थ के तत्वावधान में स्वर्गीय श्रीमती प्रेमलता जी धर्मपत्नी प्रकाश बड़जात्या की प्रथम पुण्य स्मृति में शाम 7:30 बजे दिगंबर जैन मंदिर शास्त्री नगर में संजय संगीता जैन पूर्व अध्यक्ष के सौजन्य से किया गया। ग्रुप अध्यक्ष राहुल जैन ने बताया कि रिद्धि सिद्धि से युक्त 48 दीपक के साथ साक्षी जैन द्वारा भक्तांमर पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रुप संस्थापक अध्यक्ष मनीष झाझरी, पूर्व अध्यक्ष अभय गंगवाल, उपाध्यक्ष सुनील सोगानी, अनिल गदिया संयुक्त सचिव ,संजय काला कोषाध्यक्ष ,सुकेश काला संगठन मंत्री कार्यकारिणी सदस्य विशुतोश चंदवाड, प्रमोद पाटनी, संदीप जैन तथा ग्रुप के कई सदस्य गण एवं शास्त्री नगर समाज के जैन बंधु उपस्थित थे।

# राजस्थान वक्फ बोर्ड चैयरमैन की माहे रमजान में नेकी की पहल

## प्रदेश भर में शुरू की जरूरतमंदों की मदद की मुहिम

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

पवित्र माह रमजान में इबादत के साथ-साथ जरूरतमंदों की मदद भी अपना अलग स्थान रखती है। रमजान में की गई किसी जरूरतमंद की मदद के बदले काफी नेकियां मिलती हैं और इसी सोच को ध्यान में रखते हुए राजस्थान वक्फ बोर्ड चेयरमैन डॉक्टर खानू खान बुधवाली ने जिला वक्फ कमेटी के पदाधिकारियों के साथ मिलकर जरूरतमंदों की मदद के लिए मुहिम शुरू की है। जरूरतमंद परिवार जो आर्थिक स्थिति की वजह से ढंग से सहरी और रोजा इफ्तार नही कर पाते, ऐसे परिवारों की चुपचाप मदद की जाएगी। जयपुर से मुहिम को शुरू करते हुए डॉक्टर बुधवाली ने कहा कि रमजान के महीने में इबादत के साथ-साथ जरूरतमंदों की मदद भी करना चाहिए और इसी सोच के चलते इस मुहिम को शुरू किया गया है जिसमें प्रदेशभर के राजस्थान वक्फ बोर्ड के पदाधिकारी अपनी और से राशन का किट जरूरत मंदो को वितरण करेंगे।

श्री नेमिनाथाय: नम:

# जिन शाशन देव महावीर भगवान का 2622वाँ जन्म कल्याणकदिवस हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

हर वर्ष की भांति मंगलम आनन्दा, सांगानेर, जयपुर में निवासित सकल जैन समाज ने जिन शाशन देव महावीर भगवान का 2622वाँ जन्म कल्याणकदिवस हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया। मंगलम आनन्दा प्रांगण में स्थित श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में विराजित भगवान महावीर की प्रतिमा पर प्रासुक जल से अभिषेक किया गया व पूर्ण भक्ति भाव से पूजा अर्चना की गई। मंदिर प्रांगण में ध्वजारोहण के बाद ध्वजवाहक के नेतृत्व में भगवान महावीर के चित्र के साथ गाजे-बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा रवाना हुई। शोभायात्रा मंदिर जी से रवाना होकर टेनिस कोर्ट होते हुए बुद्धा सर्किल पहुँची एवं तत्पश्चात गेट न.01, गेट न. 02, राम मंदिर एवं टावर 08 होते हुए श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पहुंची जहाँ भगवान महावीर की आरती के बाद शोभायात्रा का समापन हुआ। शोभायात्रा के दौरान सभी के द्वारा मंगल गीत/ भजन गाये गए, भक्ति की गई, भगवान महावीर की शिक्षाओं/ संदेशों के जयकारे लगाये गए एवं जगह जगह पर भगवान महावीर की आरती की गई। शोभायात्रा के दौरान मुख्य आकर्षण हमारे नन्हे मुन्नों के द्वारा बड़ी मेहनत से भगवान महावीर की शिक्षाओं/ संदेशों पर बनाये गए पोस्टर थे, जिनको सभी अपने हाथों में उठाकर चल रहे थे। शोभायात्रा में जैन अनुयायियों के अलावा अन्य समाज के लोग भी शामिल हुए और ऐसा लग रहा था कि मानों सम्पूर्ण मंगलम आनंदा परिसर महावीर मय हो गया हो। श्रदालुओं द्वारा शोभायात्रा के दौरान ठंडे पेय, जल व ठंडाई की व्यवस्था की गयी, ड्राईफ्रूट के पैकट वितरित किये। शोभायात्रा के बाद क्लब हॉउस, मंगलम आनन्दा में दीप प्रज्वलन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे लघु नाटिका भजन एवं मनमोहक भक्ति नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई।

## ऑनलाइन किंडर केयर गुरमत क्विज सबमिट करने की आज 8 अप्रैल अंतिम दिन

### रिजल्ट 14 अप्रैल, वैसाखी वाले दिन घोषित

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

कौन बनेगा गुरसिख बच्चा संस्था (केबीजीबी) द्वारा आयोजित सिख धर्म, इतिहास और गुरबाणी पर आधारित ''ऑनलाइन किंडर केयर गुरमत क्विज'' में भाग लेने वाले बच्चे आज रात 12 बजे इसे भरकर सबमिट कर सकते हैं। संस्था के अध्यक्ष ओंकार सिंह ने बताया कि 6 से 25 साल तक के बच्चे इस परिवारिक मल्टीचॉइस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। प्रतियोगिता का लिंक सभी व्हाट्सएप ग्रुप और सोशल मीडिया पर वायरल है। अपनी उम्र के अनुसार प्रतियोगिता का चयन करे। क्विज संयोजक सरदार सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सभी सही एंट्री में से 16 बच्चे रैंडम बेसिस पर चुने जाएंगे। जिन्हे ''किंडर केयर गुरसिख बच्चा ऑफ इंडिया'' के अवार्ड से नवाजा जाएगा। विजेताओं के नाम 14 अप्रेल वैसाखी को घोषित किए जायेंगे। जयपुर के बाहर रहने वाले विजेताओं को शील्ड कोरियर द्वारा उनके पते पर भेज दी जाएगी। लिंक प्राप्त करने के लिए 9462648080 पर व्हाट्सएप करें।

### आर्यिका श्रुतमति माताजी सुबोधमति माताजी के पावन सानिध्य में

# आर्यिका105 आदिमति माताजी का छठा समाधि दिवस जोर-शोर से मनाया गया

**फागी. शाबाश इंडिया।** धर्मरायण नगरी चौरु कस्बे में आर्यिका श्रुतमति माताजी, सुबोधमति माताजी के पावन सानिध्य में आज द्वितीय पट्टाधीश आचार्य 108 श्री शिव सागर जी महाराज की सुयोग्य शिष्या परम पूज्या प्रशांतमूर्ति आगम रक्षिका आदिमति माताजी का छठा समाधि दिवस जोर शोर से मनाया गया। कार्यक्रम में जैन महासभा के मीडिया प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि आर्यिका संघ के के पावन सानिध्य में प्रातः श्रीजी का अभिषेक शांति धारा बाद अष्टद्रव्यों से पूजा हुई कार्यक्रम में बाद में शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन किया गया विधान में 128 अर्घ्य समर्पित किए गए, एडवोकेट पंकज जैन ने बताया कि कार्यक्रम में प्रकाश गंगवाल, सौभाग पहाड़िया, महावीर बाकलीवाल, प्रकाश बडजात्या, राजकुमार कासलीवाल, तेजकरण गंगवाल, कैलाश बाकलीवाल, राजेंद्र पाटनी, सुरेंद्र पाटनी, महावीर गंगवाल, पूर्ण गंगवाल, नितिन गंगवाल, जिनेंद्र पाटनी, तथा विमल कलवाडा, त्रिलोक जैन पीपलू वाले सहित काफी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे, कार्यक्रम बाद आयोजकों की तरफ से सामूहिक रूप से वात्सल्य भोज दिया गया।

# सेवा के परिकल्पः भारतीय जैन मिलन

## लाडली घर में विशेष योग्य जन बालिकाओं को लड्डू एवं फल वितरित किये

**अजमेर. शाबाश इंडिया**

भारतीय जैन मिलन अजमेर द्वारा गत दिनों सेवा के कई आयाम स्थापित किये गये। इस क्रम में शास्त्री नगर स्थित लाडली घर में विशेष योग्य जन बालिकाओं को लड्डू एवं फल वितरित किये गए। इनमें दो बालिकाओं को स्पोर्टस में विशेष मेडिल प्राप्त करने पर दुपट्टा ओढ़ा कर एवं माला पहना कर सम्मानित किया गया। संस्था के स'स्थापक स्वामी कृष्णानन्दजी महाराज को भारतीय जैन मिलन अजमेर की ओर से आश्वस्त किया गया किया कि इन बच्चियो' की सेवा कार्य हेतु ससंथा सदैव ही तत्पर है। इसी क्रम में वैशाली नगर स्थित बधिर विद्यालय में चिकित्सा विशेषज्ञो द्वारा विशेष योग्य जन बच्चों का मेडिकल चैकअप कर उनकी चिकित्सा व्यवस्था की गई एवं साथ ही रेकी के ग्रांडमास्टर मदन लाल बाफना द्वारा बच्चों को रेकी का प्रशिक्षण दिया गया। इस कैम्प के संयोजक मदन लाल बाफना एवं विजय कुमार पोखरणा रहे जिन्होने बताया कि इस कैम्प से कुल 41 बच्चे लाभान्वित हुए। संस्था के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश जैन पाटनी ने बताया कि इस अवसर पर बार एसोसिएशन की नव निर्वाचित कार्य कारिणी के पदाधिकारियों का भी सम्मान किया गया। भारतीय जैन मिलन अजमेर की इकाई के निवर्तमान अध्यक्ष पी,सी जैन गंगवाल द्वारा सभी बच्चों का भोजन सेवा कार्य कराया गया।

## अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से

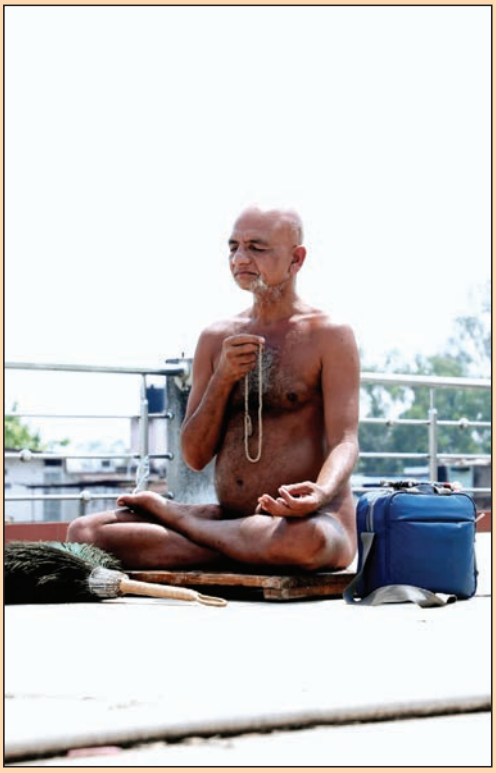

**शाबाश इंडिया।** रोग और आग को कभी छोटा ना समझें अन्यथा अनर्थ होने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा। आज हर व्यक्ति रोग और मौत से भयभीत होकर जीवन जी रहा है। फिर वो बीमारी अपनी हो, या अपने परिजनों की हो या मित्रों की हो, स्वास्थ्य को लेकर सब चिन्तित और परेशान है। हम जितना बचें बीमारियों से, उतना ही बेहतर है। हमेशा सावधान रहें अपनी लापरवाही और स्वयं की बेपरवाह से, क्योंकि - बीमार होना सरल है पर ठीक होना बहुत कठिन है। मरना सरल है लेकिन मर मर कर जीना या बीमार होकर जीना बहुत कठिन है। हम जानते हैं इस दुनिया में ऐसा कोई भी नहीं है, जो पूर्णतया रोगों से मुक्त हो, बीमार होने की अनेकानेक वजह हो सकती है। बीमारियां छोटी बड़ी नहीं होती है, बीमारी तो बीमारी होती है। यदि हम बीमार पड़ते हैं तो फिर वो कोई भी बीमारी हो, सबसे पहले हम उसे स्वीकार करें और उपचार की बुनियादो से अपनी वर्तमान स्थिति को संभाले,, क्योंकि मानव शरीर अति संवेदनशील है। इस पर हर तरह की बातों का असर होता है। अगर हमारे शरीर के साथ कुछ गलत होता है, तो यह रोग दो गुना और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। ध्यान रखें! कभी भी अपनी बीमारी को सबसे शेयर ना करें, उनसे शेयर करें जिनके पास आपकी बीमारी का इलाज हो, समाधान हो अन्यथा लोग सामने दुःख जतायेंगे और आपकी पीठ पीछे लड्डू खिलायेंगे।

**नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

### आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com